विषय क्रम

1. पौधों में रोगों के सामान्य लक्षण 1-20

(General Symptoms of Diseases in Plants) :

रोग-चिह्न एवं रोग-लक्षण की परिभाषा, पादप क्रियाओं के प्रभावित होने के आधार पर रोग लक्षण, दृश्य रोगजनक या इसकी संरचनाओं एवं अंगों के गुण और आकृति से उत्पन्न चिह्न या लक्षण, परपोषी पौधे पर पड़े कुछ प्रभाव अथवा पौधे में हुए परिवर्तन द्वारा उत्पन्न लक्षण अथवा परपोषी पौधे में आन्तरिक विकारों से उत्पन्न लक्षण, पादप रोगों की पहचान, कॉख अभिगृहीत अथवा कॉच की अभिधारणायें या सिद्धान्त, रोगचिन्ह और रोग लक्षण में अन्तर , पांडुरता और हरिमाहीनता में अन्तर , अतिवृद्धि और अतिवर्धन में अन्तर, अतिवृद्धि और अल्पविकसन में अन्तर, हरिमाहीनता और ऊतकक्षय में अन्तर, किट्ट या रतुआ और कंड या कंडवा में अन्तर , अंगमारी एवं म्लानि में अन्तर, म्लानि या उकठा और मूल विगलन या सड़न में अन्तर, पर्ण वेल्लन और पर्ण चित्ती में अन्तर।

2. कवकों द्वारा उत्पन्न महत्वपूर्ण पादप रोग 21-126

(Important Plant Diseases Caused by Fungi)

आलू की विलंबित शीर्णता या पछेती अंगमारी, क्रसीफर या सरसों वर्ग का श्वेत फफोला अथवा श्वेत किट्ट, बाजरे का हरित बाली रोग या मृदुरोमिल आसिता, मटर का मृदुरोमिल आसिता रोग, गेहूँ की चूर्णिल आसिता या मिल्डयू या चूर्णी फफूँद अथवा बुकनी रोग, मृदुरोमिल आसिता और चूर्णिल आसिता रोगों की तुलना, बाजरे का अर्गट रोग, गेहूँ का श्लथ या अनावृत कंड अथवा छिदरा कंडवा रोग, गेहूँ का करनाल बंट, जौ का आवृत कंड या बंद कंडवा रोग, गेहूँ के श्लथ या अनावृत कंड और जौ के आवृत कंड में अन्तर, ज्वार का आवृत कंड या दाना कंड अथवा छोटा कंडवा रोग, बाजरे का कंड रोग, गेहूँ के किट्ट रोग; गेहूँ का काला या कृष्ण किट्ट अथवा स्तंभ किट्ट, गेहूँ का पीला किट्ट अथवा धारीदार किट्ट, गेहूँ का भूरा या बभु किट्ट अथवा पर्ण किट्ट; भारत के मैदानों में गेहूँ के किट्टों का वार्षिक आवर्तन, गेहूँ के किट्टों के वार्षिक आर्वतन पर वर्तमान मत या नवीन कार्य, गेहूँ के तीनों किट्टों के लक्षणों की तुलना, गेहूँ के पीले या पीत किट्ट और गेहूँ के भुरे या बभु किट्ट में अन्तर, संपार्श्विक परपोषी और एकांतर परपोषी में अन्तर, अलसी का पर्ण एवं स्तंभ किट्ट अथवा गेरूई रोग, आलू की अगेती शीर्णता या अंगमारी अथवा अगेता झुलसा रोग, आलू की अगेती शीर्णता या अंगमारी और विलंबित शीर्णता या अंगमारी में अन्तर, मूँगफली की अगेती एवं पछेती पर्ण-चित्तियाँ अथवा टिक्का रोग, जौ का पर्णधारी रोग, धान का प्रध्वंस या जौ का ब्लास्ट रोग अथवा सहसामारी रोग, गन्ने का लाल विगलन या लाल सड़न रोग, अरहर का म्लानि या उकठा रोग।

3. जीवाणु एवं फाइटोप्लाज्मा द्वारा उत्पन्न महत्वपूर्ण पादप रोग 127-139

(Important Plant Diseases Caused by Bacteria and Phytoplasmas)

धान की जीवाणुज, पर्ण शीर्णता या अंगमारी अथवा जीवाणुज झुलसा रोग, सिट्रस कैंकर या नींबू का खर्रा रोग, बैंगन का लघु-पत्र या छोटी पत्ती रोग।

4. विषाणु द्वारा उत्पन्न महत्वपूर्ण पादप रोग 140-154

(Important Plant Diseases Caused by Viruses)

तंबाकू मोजेक अथवा तंबाकू किर्मीर रोग, भिंडी का पीला शिरा मोजेक अथवा पीत शिरा किर्मीर रोग; सेम का सामान्य मोजेक या किर्मीर रोग। आलू के मोजेक या किर्मीर रोग : आलू का उग्र मोजेक, आलू का मंद मोजेक, आलू का गुप्त मोजेक, आलू का अतिमंद मोजेक।

5. अजैव या अ-संक्रामक तथा अरोगजनक अथवा अ-परजीवी रोग 155-164

(Abiotic or Non-infectious and Non-pathogenic or Non-parasitic Diseased)

अजैव या असंक्रामक अथवा अपरजीवी रोग क्या होते है ? आम का काला सिरा या ऊतकक्षय, खनिजों की न्यूनता के कारण उत्पन्न पादप रोग अथवा पोषण विकार, धान का खैरा रोग, धान का सिरा झुलस या दग्धाग्र,

6. **पादप रोग प्रबंध की विधियाँ** 165-212

(Methods of Plant Disease Management)

रोग नियंत्रण" *बनाम* "रोग प्रबंन्ध", पादप रोग प्रबन्ध, पादप रोग प्रबन्ध की विधियों का वर्गीकरण, **पाादप रोग प्रबन्ध की विधियाँ विनियमित विधियाँ: भौतिक विधियाँ— जैविक या जैव नियंत्रण : कर्षण विधियाँ: कर्षण या कृषि प्रक्रियाओं के परिवर्तन द्वारा पादप रोग प्रबन्ध, परपोषी प्रतिरोध एवं प्रतिरक्षीकरण :** रोग पलायन, रोग सह्यता अथवा सहनशीलता एवं वास्तविक या यथार्थ प्रतिरोध, आनुवंशिक प्रतिरोध के प्रकार, रोग प्रतिरोधी किस्मों का विकास, जैव प्रौद्योगिकी द्वारा रोग प्रतिरोध के लिए प्रजनन, रोग प्रतिरोध की विफलता या फेल होने के कारण, **रासायनिक विधियाँ।**

7. **कवकनाशी या फंगसनाशी** 213-228

(Fungicides)

'कवकनाशी क्या है ? एक आदर्श या उत्तम कवकनाशी के गुण या विशेषताएँ, पादप रोग प्रबन्ध के लिए प्रयोग होने वाले रसायनों के प्रकार-गंधक कवकनाशी, ताम्र या कॉपर कवकनाशी, पारद कवकनाशी, क्विनोन कवकनाशी, ऐरोमैटिक यौगिक या बेन्जीन कवकनाशी, थैलिमाइड या विषम चक्रीय नाइट्रोजन यौगिक, ऑर्गैनोटिन यौगिक, सर्वांगी कवकनाशी, प्रतिजैविक, सर्वांगी कवकनाशी और प्रतिजैविक में अन्तर।

8. **पादप रोगविज्ञान परिभाषा कोष** I-VIII

(Definitional Dictionary of Plant Pathology)

9. **पादप रोगविज्ञान एवं कवकविज्ञान के कुछ उपयोगी ग्रन्थ एवं महत्त्वपूर्ण पत्रिकाएँ** I-VI

(Some Useful Books and Importnat Indian Journals of Plant Pathology)

10. **पादप रोगविज्ञान पारिभाषिक शब्द-संग्रह** VII-XXIV

(Glossary of Plant Pathology)